web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 12 मई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 223

वाई-फाई सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना बेलटुकरी : मुख्यमंत्री बघेल ने किया शुभारंभ

रीपा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था हो रही मजबूत, महात्मा गांधी के सपने हो रहे साकार : मुख्यमंत्री

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज मस्तूरी विधानसभा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्राम बेलटुकरी में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क ''रीपा'' का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रीपा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज का सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महिला समूहों के सदस्यों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने बेलटुकरी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में वाई-फाई सुविधा की शुरुआत करते हुए कहा कि इससे रीपा में कार्यरत लोगों को नि:शुल्क इंटरनेट की सुविधा मिलेगी।

समूह की महिलाओं से चर्चा कर बढ़ाया उनका हौसला- मुख्यमंत्री ने इस माह की 5 तारीख को रीपा की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान रीपा को वाईफाई सुविधा से लैस करने की घोषणा की थी। आज यहां वाई-फाई सुविधा का शुभारंभ होने के साथ बेलटुकरी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क इस सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रीपा बन गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा छोटे-छोटे उद्योग धंधों के लिए रीपा में पानी, बिजली, जमीन जैसी सभी जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसी कड़ी में आज बेलटुकरी में वाई-फाई सुविधा का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया।

समूह की महिलाओं से चर्चा कर बढ़ाया उनका हौसला- मुख्यमंत्री ने बेलटुकरी रीपा में उत्पादित विभिन्न वस्तुओं के कैटलॉग का भी विमोचन

किया। उन्होंने कहा कि रीपा के माध्यम से गांव के लोगों को जरूरी वस्तुएं आस-पास उपलब्ध हो रही हैं, जिसके कारण अब उन्हें दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ता। बेलटुकरी रीपा में संचालित बेकरी यूनिट, बोरी सिलाई यूनिट, कपड़ा सिलाई यूनिट, दोना-पत्तल यूनिट के उत्पादों की अच्छी गुणवत्ता के कारण आसपास के शहर-गांवों से सप्लाई के आर्डर मिलने प्रारंभ हो गए हैं।

रीपा के अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री को आदर्श स्व सहायता समूह की निर्मला पटेल बताया कि यहां पर 1 महीने पूर्व शासन की मदद से 03 लाख रूपए की लागत से बेकरी यूनिट स्थापित की गई है। निर्मला ने बताया कि इस यूनिट के माध्यम से ब्रेड, केक और कुकीज़ का निर्माण कर आसपास के होटल और गांव में बिक्री करते हैं पिछले 15 दिनों में लगभग 10 हजार रूपए के बेकरी उत्पादों की बिक्री कर चुके हैं, जिससे 5 हजार का फायदा हुआ है। निर्मला ने बताया कि बिलासपुर के सी-मार्ट और आसपास के होटलों से 80 हजार रूपए का आर्डर भी मिला है।

मुख्यमंत्री ने रीपा में बोरी सिलाई यूनिट का अवलोकन भी किया। जय मां वैष्णवी स्व-सहायता समूह की सदस्य शांति कैवर्त ने बताया कि एक महीने पहले शासन की मदद से 4.5 लाख की लागत से बोरी सिलाई यूनिट स्थापित की गई है। लगभग 12 सौ बोरी की बिक्री आस-पास के गौठान में कर चुके हैं जिससे 03 हजार रुपये का फायदा हुआ है। शांति ने बताया कि आसपास के गौठानो से 61 हजार 760 रुपये के लगभग 6 हजार बोरी का आर्डर मिल चुका है।

मुख्यमंत्री बघेल द्वारा यहां दोना-पत्तल यूनिट के अवलोकन के दौरान वैष्णवी स्व-सहायता समूह की सदस्य ममता ने बताया कि समूह में 8 सदस्य हैं। शासन द्वारा ढाई लाख की लागत से दोना पत्तल मशीन इकाई स्थापित की गई है अब तक 150 बंडल दोना तथा 150 बंडल पत्तल का निर्माण कर 15 हजार रुपये के दोना-पत्तल की बिक्री कर चुके हैं, जिससे हम महिलाओं को 5 हजार रुपये का फायदा हुआ है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कपड़ा सिलाई यूनिट का अवलोकन किया। रीपा स्व-सहायता समूह की महिला आशा ने बताया कि रीपा एस.एच.जी. में हम सात महिलाएं सूट, ब्लाउज, बैग, पेटिकोट तथा रुमाल की सिलाई कर रही हैं। अब तक आसपास के गांव से आर्डर मिलने पर 25 हजार की बिक्री कर चुके हैं जिससे हमें 15 हजार रुपये का फायदा हुआ है।

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आग में जलकर सैनिक की मौत

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में गलती से लगी आग में जलकर एक सैनिक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्थानीय आर्मी यूनिट के लांस नायक जसबीर सिंह की तैनाती पुंछ जिले के मेंधर इलाके में नियंत्रण रेखा के पास थी। उसके अपने ही हथियार से लगी आग में वह घायल हो गया। सूत्रों ने बताया, उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच अभी जारी है।

टेरर फंडिंग मामले में एनआईए की बड़ी कारवाई, जम्मू-कश्मीर में 11 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। टेरर फंडिंग मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के चार जिलों में 11 जगहों पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, बडग़ाम, बारामूला, पुलवामा और कुपवाड़ा जिलों में छापेमारी चल रही है। एनआईए की टीमों के साथ स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ के जवान भी हैं। सूत्रों ने कहा कि एजेंसी कई आपत्तिजनक दस्तावेजों की जांच कर रही है और कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी कर रही है। छापेमारी गुरुवार सुबह शुरू हुई और अभी भी जारी है। फिलहाल एनआईए के अधिकारी ने इस मामले पर आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है।

विदेश से एमबीबीएस कर लौटे स्टूडेंट्स को राहत, एनएमसी ने दी इंटर्नशिप पूरी करने की परमिशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने विदेश से एमबीबीएस कर भारत लौटे छात्रों को बड़ी राहत दी है। इन्हें भारत में इंटर्नशिप पूरी करने के लिए 'एक बार की राहत' दी गई है। एनएमसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उन 673 अस्पताओं की लिस्ट जारी की है जहां से ये छात्र इंटर्नशिप कर सकते हैं। इनमें नॉन टीचिंग अस्पताल भी शामिल हैं। एनएमएसी ने कहा कि यह राहत सिर्फ एक बार के लिए दी गई है। फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट छात्रों को इन नॉन टीचिंग अस्पतालों में सीट आवंटन का काम केवल संबंधित राज्यों की मेडिकल काउंसिलों के माध्यम से किया जाएगा। एनएमसी के लेटेस्ट सर्कुलर के मुताबिक 673 अस्पतालों में विदेश से एमबीबीएस कर लौटे छात्र अपनी इंटर्नशिप पूरी कर सकते हैं। गौरतलब है कि विदेश से मेडिकल की पढ़ाई कर भारत लौटे छात्र पिछले कई महीनों से यह शिकायत कर रहे थे कि एफएमजीई परीक्षा करने के बावजूद उन्हें अस्पतालों में इंटर्नशिप करने का मौका नहीं मिल पा रहा है। कंपलसरी रोटेटिंग इंटर्नशिप ट्रेनिंग के लिए विभिन्न राज्यों में अस्पतालों को अनुमति प्रदान की गई है। गाइडलाइंस में एनएमसी ने कहा है कि इंटर्नशिप को एमबीबीएस फाइनल या एफएमजीई या नेशनल एग्जिट टेस्ट (नेक्स्ट) स्टेज- द्द्व पास करने के दो साल के भीतर पूरा करना होगा। एनएमसी ने कहा कि दो साल की इंटर्नशिप का प्रावधान केवल फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट पर लागू होता है जो मेडिकल की पढ़ाई के अंतिम वर्ष में थे और कोविड-19 या रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत लौट आए।

अमेरिका में रह रहे गैंगस्टर हरजोत सिंह पर कार्यवाई, इंटरपोल ने जारी किया ब्लू नोटिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। एनआईए के अनुरोध पर अमेरिका में रह रहे गैंगस्टर हरजोत सिंह के खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नोटिस पिछले महीने जारी किया गया था। ब्लू नोटिस अक्सर किसी अपराधी के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए जारी किया जाता है। एनआईए ने फिलीपींस में छिपे अमरीक सिंह और मनदीप सिंह के खिलाफ पहले ही लुक आउट सकरुलर जारी कर दिया है। ग्रीस में छिपा जगदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया गिरोह का सदस्य सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और कुछ अन्य के खिलाफ भी सर्कुलर जारी किया गया है, जो उपरोक्त तीन देशों में छिपे हुए हैं। एनआईए प्रत्यर्पण कार्यवाही शुरू करने के लिए उनके सटीक स्थान की पहचान करना चाहती है।

दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत ने मामले में उनके पेश न होने के कारण उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया था। इस मामले में खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ), बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) जैसे खालिस्तानी संगठनों के साथ-साथ उत्तर भारत स्थित गैंगस्टर शामिल हैं। उन पर आतंकी हमलों, ड्रोन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान से हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी, लक्षित हत्याओं और उद्योगपतियों, व्यापारियों और पेशेवरों से जबरन पैसा वसूलने में शामिल होने का संदेह है।

अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार आप सरकार के पास

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में सर्विसेज पर नियंत्रण किसका होगा, सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने इसका फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया है। इस फैसले से केजरीवाल सरकार की बड़ी जीत हुई है। एनसीटी दिल्ली के पास सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोडक़र सेवाओं पर दिल्ली सरकार को विधायी शक्ति दी गई है। सभी जजों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 2018 के फैसले पर असहमति जाहिर की है। कोर्ट ने अधिकारियों के तबादले

और पोस्टिंग का अधिकार दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार की शक्तियां अन्य राज्यों के मुकाबले कम हैं। यहां चुनी हुई सरकार है लेकिन सरकार के पास शक्तियां सीमित हैं। कोर्ट ने माना की चुनी हुई सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही है। एनसीटी पूर्ण राज्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि एग्जीक्यूटिव मामले का अधिकार एलजी का है। लोकतंत्र में असली फैसला चुनी हुई सरकार को ही करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र का कानून नहीं है तो दिल्ली सरकार कानून बना सकती है। चुनी हुई सरकार का प्रशासन पर नियंत्रण जरूरी। एलजी को सरकार की बात माननी चाहिए। एलजी को चुनी हुई सरकार को ही करना चाहिए।

आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। दिल्ली सरकार ने कोर्ट से केंद्र के साथ अपनी शक्ति की सीमा तय करने की मांग की थी। जनवरी महीने में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने चार दिनों तक दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कोर्ट में केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि न सिर्फ केंद्र शासित प्रदेश केंद्र का एक्सटेंशन है, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश में काम करने वाले कर्मचारी भी केंद्र के मामलों के संबंध में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2018 के फैसले को बड़ी बेंच को ट्रांसफर करने की मांग की थी। दिल्ली सरकार की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए थे, जिन्होंने मेहता की मांग का विरोध किया था।

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2021 में नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली के कानूनों में संशोधन किया था। इसका आप सरकार ने पुर्जोर विरोध किया।

पंजाब पुलिस के एएसआई ने होटल के कमरे में खुद को मारी गोली, मरने से पहले किया फोन- मैं जा रहा हूं

मोहाली (आरएनएस)। पंजाब पुलिस के कॉन्स्टेबल ने मोहाली फेस-9 स्थित होटल में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। इसका पता लगने पर होटल स्टाफ तुरंत कॉन्स्टेबल के कमरे में पहुंचा तो उसे लहूलुहान हालत में नीचे गिरा देखा। मृतक की पहचान अश्वनी के रूप में हुई है। अश्वनी के पिता ईश्वर सिंह चंडीगढ़ पुलिस के मुलाजिम हैं और सेक्टर-19 थाने सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। फेज-11 थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

अश्वनी ने बुधवार सुबह ही फेज-9 के एक होटल में कमरा लिया था। बुधवार रात को अचानक उनके कमरे से गोली चलने की आवाज आई। होटलकर्मियों ने लगातार दो गोलियां चलने की आवाज सुनी तो सहम उठे। होटल में ठहरे अन्य लोग भी डर गए। इसके बाद होटल के स्टाफ ने सभी कमरों की चेकिंग शुरू की। जब वह अश्वनी के कमरे के पास पहुंचे तो खटखटाने पर दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद होटल स्टाफ ने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला तो अश्वनी खून से लथपथ पड़ा था।

आनन-फानन होटलकर्मी उन्हें जीएमसीएच-32 लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि गोली अश्वनी की सर्विस रिवॉल्वर से चली है। जांच में पुलिस को मामला आत्महत्या का लग रहा है लेकिन इसकी कोई अधिकारी पुष्टि नहीं कर रहा। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही असल बात का पता चल पाएगी। अश्वनी की 7 साल पहले ही शादी हुई थी और उसकी एक चार साल की बेटी है।

सूत्रों के अनुसार कॉन्स्टेबल अश्वनी ने सुसाइड से पहले एक फोन किया। उसने फोन अटेंडेंट को बताया कि वह सुसाइड करने जा रहा है। अश्वनी किसी बात को लेकर काफी परेशान था। उसने देर रात परिजनों को फोन किया हो सकता है।

हालांकि मोहाली पुलिस अश्वनी के परिवार से पूछताछ करने सहित उसके फोन कॉल रिकॉर्ड से यह पता लगाने में जुटी है कि उसने आखिरी कॉल किसे की और किस बात को लेकर परेशानी में था।

पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की काटी नाक, बेटी को गला दबाकर की हत्या, खुद भी दे दी जान

कानपुर (आरएनएस)। शहर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में विवाद के बाद गुस्साए पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काट दी। इसके बाद इकलौती बेटी की गला कसकर हत्या कर दी। फिर खुद भी फंदे से लटक कर जान दे दी। इलाकाई लोगों की सूचना पर डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल,एडीसीपी अंकिता शर्मा और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचे है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर पत्नी के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, मछरिया बाजार,बाबा नगर निवासी छोटे शाह (36) पेशे के कार चालक थे। वह पिछले कई सालों से अमौली के जिला पंचायत सदस्य बृजेश पटेल की कार चलाते थे। वह अपनी पत्नी रुखसार, बेटी आरजू (14) व दो बेटों आरिफ और आर्यन के साथ नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित जिला पंचायत सदस्य के नव निर्माणाधीन मकान के तीसरी मंजिल पर रहते थे। पत्नी ने पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ माह से पति से अलग रहती थी।

नंगल की फैक्ट्री में गैस लीक, 35 छात्रों सहित कई लोग चपेट में- इलाका सील

नंगल (आरएनएस)। बड़ी खबर पंजाब के रोपड़ जिसे से है। यहां के नंगल शहर में गुरुवार को एक फैक्ट्री से गैस लीक होना का मामला सामने आया है। गैस लीक होने से प्राइवेट स्कूल के 30 से 35 छोटे बच्चों समेत कई लोग चपेट में आ गए। कुछ बच्चों और शिक्षकों ने उल्टी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। इसके बाद प्रभावित शिक्षकों और छात्रों को नंगल के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद प्रशासन ने सारे इलाके को सील कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल के पास ही दो बड़ी औद्योगिक इकाइयां हैं, इनमें से किसी एक उद्योग से गैस लीक होने की आशंका है। जांच के बाद असली बात सामने आएगी। प्रभावित बच्चों और शिक्षकों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया हैं। वहीं सूचना पाकर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्कूल में छुट्टी करवाकर स्थिति पर नियंत्रण पाया। वहीं गैस रिसाव से बच्चों की हालत बिगडऩे की सूचना पर शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस भी मौके पर पहुंचे।

मध्यप्रदेश के 23 छात्रों को एयरलिफ्ट कर मणिपुर से इंदौर लाया गया

इंदौर (आरएनएस)। मणिपुर हिंसा में फंसे प्रदेश के 23 छात्रों को एयरलिफ्ट कर सकुशल इंदौर लाया गया। यहां से सभी को अपने-अपने जिलों में बसों और अन्य साधन से भेजा गया। छात्रों के चेहरों पर हिंसा का डर और घर सकुशल पहुंचने की खुशी झलक रही थी। हिंसा के बीच गुजरे समय की आपबीती बताते हुए छात्रों का कहना था कि होस्टल के बाहर ही गोलीबारी और बस धमाके हो रहे थे। आंदोलनकारी आगजनी भी कर रहे थे। ऐसा लग रहा था कि अब नहीं बच पाएंगे। हास्टल के मेस में राशन खत्म हो रहा था, दाल-चावल ही पकाकर दिए जाते रहे। हिंसा के चार दिन बाद भोजन और पानी की दिक्कत होने लगी थी। मणिपुर हिंसा में फंसे बच्चे गत रात्रि आठ बजे विमान से इंदौर पहुंचे। इंदौर में रहने वाले तीन छात्रों को उनके परिजन लेने पहुंचे थे। बंगाली चौराहे पर रहने वाले प्रशांत कुंटे और उनकी

पत्नी डॉ. गीतांजलि कुंटे शाम सात बजे ही एयरपोर्ट पहुंच गए थे। क्यांकि उनका एकलौता बेटा करण वापस आ रहा था। जैसे ही करण बाहर आया, दोनों ने बेटे को गले लगा लिया और आंखे छलक आई। नेशनल स्पोर्ट यूनिवर्सिटी इम्फाल में एमए कर रहे करण ने बताया कि हालत बहुत खराब थे। बाहर निकल नहीं सकते थे और अंदर पानी और भोजन खत्म हो रहा था। चारों तरफ धमाके ही सुनाई दे रहे थे। उन्हें ऐसा ही हाल वेंकटेश नगर में रहने वाले अक्षय गुप्ता ने भी सुनाया।

एफएओ ने दी अफगानिस्तान की गेहूं की टोकरी में टिड्डियों के हमले की चेतावनी

काबुल। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने देश की 'गेहूं की टोकरी' अफगानिस्तान के आठ प्रांतों में बड़े पैमाने पर मोरक्को के टिड्डियों के प्रकोप की चेतावनी दी है। हेरात और घोर प्रांतों से ताजा रिपोर्ट आने के साथ, बदख्शां, बादगीस, बागलान, बल्ख, कुंदुज, समांगन, सर-ए-पुल और तखर में टिड्डियों के देखे जाने की सूचना मिली है।

अफगानिस्तान में एफएओ प्रतिनिधि रिचर्ड ट्रेंकार्ड ने कहा,अफगानिस्तान की गेहूं की टोकरी में मोरक्कन टिड्डे के प्रकोप की रिपोर्ट एक बड़ी चिंता है। मोरक्को के टिड्डे पौधों की

150 से अधिक प्रजातियों को खाते हैं, इनमें पेड़ की फसलें, चरागाह और 50 खाद्य फसलें शामिल हैं, जो अफगानिस्तान में उगती हैं।

ट्रेंकार्ड ने कहा,इस साल अफगानिस्तान में फसल का पूवार्नुमान बहुत अच्छा है, लेकिन यह टिड्डियों के प्रकोप खतरे में है।

गौरतलब है कि मोरक्कन टिड्डे दुनिया में सबसे अधिक फसलों को हानि पहुंचाते हैं। इस वर्ष इनके हमले से कुल वार्षिक फसल का एक चौथाई तक नुकसान होने की आशंका है।

अफगानिस्तान के उत्तर और पूर्वोत्तर क्षेत्र मोरक्को के टिड्डियों के प्रकोप से ग्रस्त हैं।

इस साल टिड्डियों के प्रकोप के लिए बहुत अनुकूल वातावरण है। सूखा, अत्यधिक चराई, मार्च और अप्रैल में बारिश की सही मात्रा लगभग 100 मिमी मात्रा टिड्डियों को प्रकोप के लिए आदर्श स्थिति है।

अफगानिस्तान के इन हिस्सों में, मोरक्कन टिड्डे पहाड़ी और रंगभूमि क्षेत्रों में पर्यावरणीय परिस्थितियों के आधार पर मई और जून के बीच अंडे देते हैं। युवा टिड्डियां अगले वर्ष मार्च के अंत में अंडे से निकलती हैं और आसपास की घासों को खाना शुरू कर देती हैं।

इस साल हैचिंग सामान्य से पहले शुरू हो गई है।

ट्रेंकार्ड ने कहा, खतरे की चेतावनी देर से दी गई, लेकिन एफएओ, इसके एनजीओ पार्टनर, स्थानीय समुदाय और स्थानीय अधिकारी तत्काल कार्रवाई में जुट गए।